कृषि विज्ञान केन्द्र कटिया मे किसानों का हुआ सम्मान*

किसान दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट किसानो को अगंवस्त्र व प्रशंसा पत्र से किया गया सम्मानित

किसानों के मसीहा भारत रत्न चौधरी चरण सिंह के जन्म दिवस पर किसानों को किया गया सम्मानित

पूर्व प्रधानमंत्री के कार्यों व आदर्शो को देश के किसान कर रहे है याद, मनाया गया किसान दिवस

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री (भारत रत्न) किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह के जन्म दिवस किसान दिवस पर कृषि विज्ञान केंद्र कटिया, सीतापुर परिसर में किसान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।
केन्द्र के पशुपालन वैज्ञानिक डाॅ आनंद सिंह ने मुख्य अतिथि बिसवा गन्ना समिति के अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष श्री सुधाकर शुक्ला के साथ चौधरी साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ कराया।
मुख्य अतिथि नें किसानो को अगंवस्त्र एवं प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया।
श्री शुक्ला ने चौधरी चरण सिंह जी के मूल्यवान योगदान को याद करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में भूमि सुधार का पूरा श्रेय उन्हें जाता है। ग्रामीण देनदारों को राहत प्रदान करने वाला विभागीय ऋणमुक्ति विधेयक, 1939 को तैयार करने एवं इसे अंतिम रूप देने में व मुख्यमंत्री के रूप में जोत अधिनियम, 1960 को लाने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। यह अधिनियम जमीन रखने की अधिकतम सीमा को कम करने के उद्देश्य से लाया गया था ताकि राज्य भर में इसे एक समान बनाया जा सके।
किसान मोर्चा के जिला महामंत्री श्री अनिल मिश्रा ने कहा कि देश में कुछ-ही राजनेता ऐसे हुए हैं जिन्होंने लोगों के बीच रहकर सरलता से कार्य करते हुए इतनी लोकप्रियता हासिल की हो। एक समर्पित लोक कार्यकर्ता एवं सामाजिक न्याय में दृढ़ विश्वास रखने वाले श्री चरण सिंह को लाखों किसानों के बीच रहकर प्राप्त आत्मविश्वास से काफी बल मिला।
समाजसेविका एवं प्रगतिशील महिला कृषक श्रीमती पूनम मिश्रा ने कहा कि श्री चौधरी चरण सिंह ने अत्यंत साधारण जीवन व्यतीत किया और अपने खाली समय में वे पढ़ने और लिखने का काम करते थे। उन्होंने कई किताबें एवं रूचार-पुस्तिकाएं लिखी जिसमें ‘ज़मींदारी उन्मूलन’, ‘भारत की गरीबी और उसका समाधान’, ‘किसानों की भूसंपत्ति या किसानों के लिए भूमि, ‘प्रिवेंशन ऑफ़ डिवीज़न ऑफ़ होल्डिंग्स बिलो ए सर्टेन मिनिमम’, ‘को-ऑपरेटिव फार्मिंग एक्स-रयेद्’ आदि प्रमुख हैं।

इस अवसर पर किसान व कृषक महिलाओ को प्राकृतिक खेती, डेयरी, मोटे अनाज, दलहन व तिलहन उत्पादन, पौषण वाटिका, आई पी एम व जैविक खेती में उत्कृष्ट कार्यों हेतु रमेश मिश्रा, सरिता देवी, सुनीता, अमर सिंह, प्यारे लाल, गंगासागर समेत 15 किसानों को सम्मानित किया गया।
कार्यक्रम मे 221 कृषको ने प्रतिभागिता की।

कार्यक्रम मे धन्यवाद ज्ञापन डाॅ शिशिर कांत सिंह ने किया।

ATARI
कृषि विज्ञान केन्द्र द्वितीय, कटिया, सीतापुर
प्रशस्ति पत्र

ATARI
किसान सम्मान
23 दिसम्बर 2
कृषि
कृषि विज्ञान केन्द्र द्वितीय, कटिया, सीतापुर
प्रशस्ति पत्र

ATARI
सम्मान

किसान सम्मान दिवस
23 दिसम्बर 2025
विकसित भारत - जी राम जी
विकसित भारत - जी राम जी